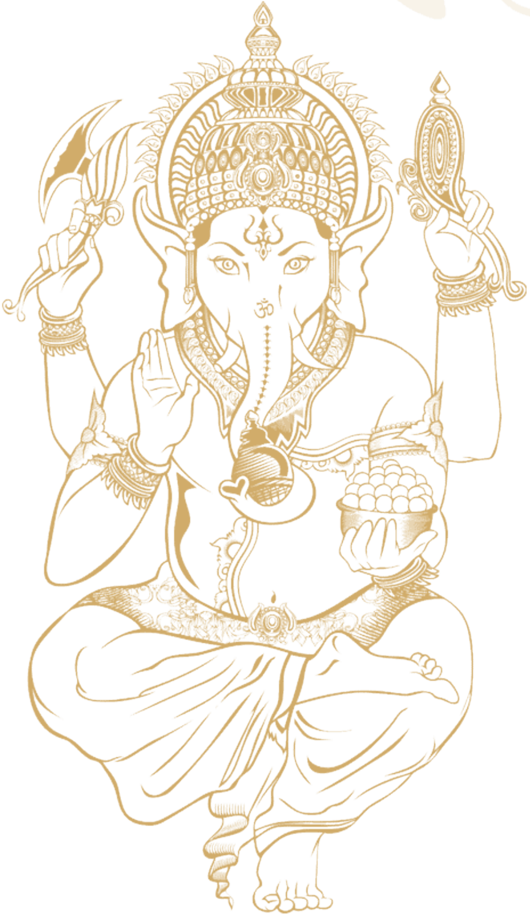

07 Dec 2025

01:25 AM

Kanpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 120922409

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**6-07/12/2025**
दिन	शनि-रविवार
जन्म समय	**01:25:00 घंटे**
इष्ट	46:43:49 घटी
स्थान	**Kanpur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:27:00 उत्तर
रेखांश	80:19:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:08:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	01:16:16 घंटे
वेलान्तर	00:08:57 घंटे
साम्पातिक काल	06:19:40 घंटे
सूर्योदय	06:43:28 घंटे
सूर्यास्त	17:16:17 घंटे
दिनमान	10:32:49 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	20:43:50 वृश्चिक
लग्न के अंश	10:11:23 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**आर्द्रा - 4**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	शुक्ल
करण	वणिज
गण	मनुष्य
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सिंह
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	छ-छत्रपति
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	10:11:23	323:28:02	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	चंद्र	---
सूर्य			वृश्चि	20:43:50	01:00:53	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	मित्र राशि
चंद्र			मिथु	17:02:03	14:51:16	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	शुक्र	मित्र राशि
मंगल		अ	वृश्चि	29:24:45	00:44:48	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	स्वराशि
बुध			वृश्चि	00:10:41	00:55:27	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	चंद्र	सम राशि
गुरु	व		मिथु	29:53:44	00:04:49	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	चंद्र	शत्रु राशि
शुक्र			वृश्चि	13:18:31	01:15:28	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	राहु	सम राशि
शनि			मीन	01:00:17	00:00:56	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	सम राशि
राहु	व		कुंभ	19:09:32	00:10:20	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	चंद्र	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	19:09:32	00:10:20	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	04:35:43	00:02:23	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप	व		मीन	05:09:21	00:00:08	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	---
प्लूटो			मक	07:48:49	00:01:25	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			मिथु	10:17:42	--	आर्द्रा	--	6	बुध	राहु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:14

लग्न-चलित

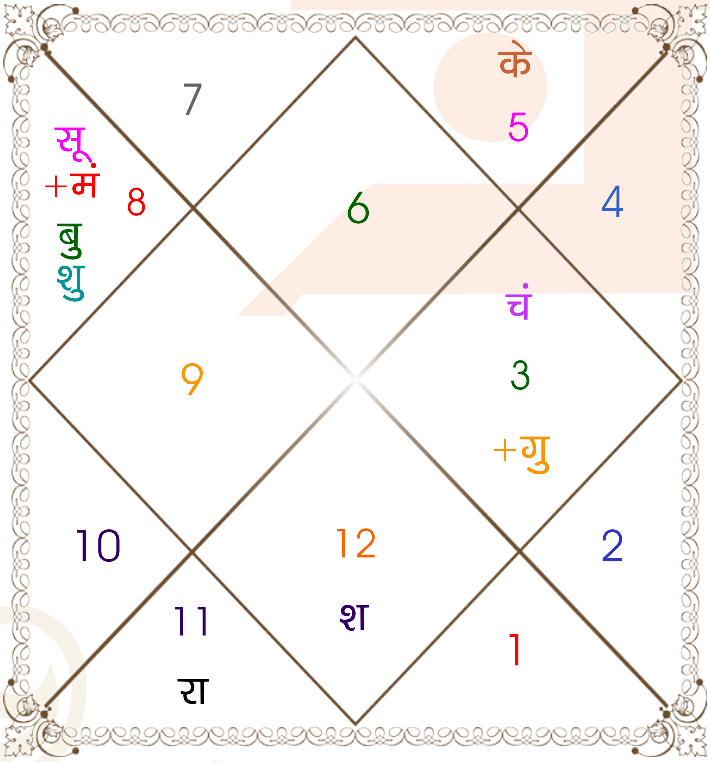

चन्द्र कुंडली

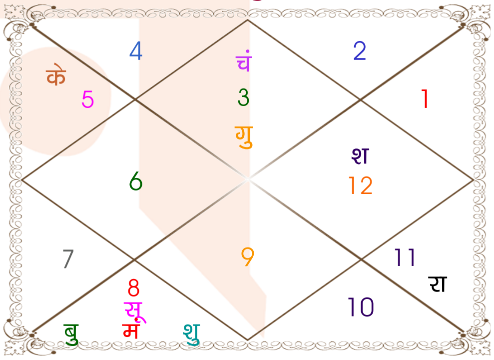

नवमांश कुंडली

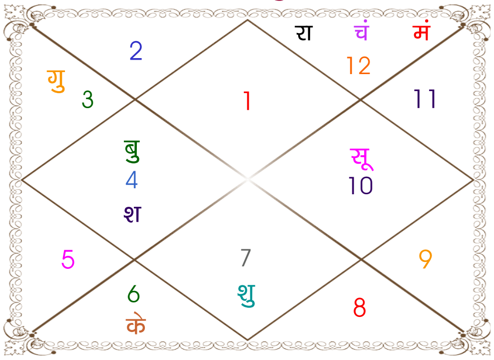

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 4 वर्ष 0 मास 1 दिन

राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष
07/12/2025	**08/12/2029**	**08/12/2045**	**08/12/2064**	**08/12/2081**
08/12/2029	**08/12/2045**	**08/12/2064**	**08/12/2081**	**08/12/2088**
00/00/0000	गुरु 26/01/2032	शनि 11/12/2048	बुध 06/05/2067	केतु 06/05/2082
00/00/0000	शनि 08/08/2034	बुध 21/08/2051	केतु 03/05/2068	शुक्र 06/07/2083
00/00/0000	बुध 13/11/2036	केतु 29/09/2052	शुक्र 03/03/2071	सूर्य 11/11/2083
00/00/0000	केतु 20/10/2037	शुक्र 29/11/2055	सूर्य 08/01/2072	चंद्र 11/06/2084
07/12/2025	शुक्र 20/06/2040	सूर्य 10/11/2056	चंद्र 08/06/2073	मंगल 07/11/2084
शुक्र 27/06/2026	सूर्य 08/04/2041	चंद्र 12/06/2058	मंगल 06/06/2074	राहु 26/11/2085
सूर्य 22/05/2027	चंद्र 08/08/2042	मंगल 21/07/2059	राहु 23/12/2076	गुरु 02/11/2086
चंद्र 19/11/2028	मंगल 15/07/2043	राहु 27/05/2062	गुरु 31/03/2079	शनि 12/12/2087
मंगल 08/12/2029	राहु 08/12/2045	गुरु 08/12/2064	शनि 08/12/2081	बुध 08/12/2088

शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष
08/12/2088	**09/12/2108**	**09/12/2114**	**09/12/2124**	**09/12/2131**
09/12/2108	**09/12/2114**	**09/12/2124**	**09/12/2131**	**00/00/0000**
शुक्र 08/04/2092	सूर्य 28/03/2109	चंद्र 10/10/2115	मंगल 07/05/2125	राहु 22/08/2134
सूर्य 08/04/2093	चंद्र 27/09/2109	मंगल 10/05/2116	राहु 25/05/2126	गुरु 14/01/2137
चंद्र 08/12/2094	मंगल 02/02/2110	राहु 09/11/2117	गुरु 01/05/2127	शनि 21/11/2139
मंगल 07/02/2096	राहु 27/12/2110	गुरु 11/03/2119	शनि 09/06/2128	बुध 10/06/2142
राहु 07/02/2099	गुरु 16/10/2111	शनि 09/10/2120	बुध 06/06/2129	केतु 28/06/2143
गुरु 09/10/2101	शनि 27/09/2112	बुध 10/03/2122	केतु 02/11/2129	शुक्र 08/12/2145
शनि 09/12/2104	बुध 03/08/2113	केतु 09/10/2122	शुक्र 03/01/2131	00/00/0000
बुध 10/10/2107	केतु 09/12/2113	शुक्र 09/06/2124	सूर्य 10/05/2131	00/00/0000
केतु 09/12/2108	शुक्र 09/12/2114	सूर्य 09/12/2124	चंद्र 09/12/2131	00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 4 वर्ष 0 मा 14 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म हस्त नक्षत्र के प्रथम चरण में कन्या लग्न के उदयकाल में हुआ था। साथ ही उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष राशि का नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण भी उदित था। जिसके प्रभाव से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप द्विस्वाभात्मक गुणों युक्त हैं। आप धार्मिक ग्रंथों कर अध्ययन का धर्म मार्ग में प्रवीण हो गए हैं तथा यह सन्देहास्पद विषय है कि आप इस मार्ग के सहारे अपने लक्ष्य को सम्पादित कर सकेंगे।

आप कुप्रवृति से दूसरों को सताकर धन का संचय करेंगे। ऐसा प्रतीत होता है कि आप धन की सुनिश्चितता के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकते हैं। आप निष्ठुर उद्दमी एवं परिश्रमी अध्यवसायी प्रवृति के हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकते हैं और मनुष्योचित जरूरतों की पूर्ति हेतु आप कोई स्पष्ट चाल चलकर अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु पश्चाताप करोगे। आप प्रसन्नचित एवं भाग्यशाली व्यक्ति हैं। आप संसारिक सुख का आनन्द प्राप्त करेंगे। आप अच्छे हृदय से अनेक प्रकार के सामाजिक कार्य में भाग लेगें। आप सदैव ही सभी के प्रेम सहवास की आकांक्षा रखेंगे।

आप कई वर्षों तक वैवाहिक संस्कार ग्रहण नहीं करेंगे। परन्तु जब आप एक वार अपनी जीवन संगिनी का चयन कर लेंगे तो विवाहोपरान्त उसमें जोंक की तरह चिपक जाएँगे। अर्थात सदैव उसके तन-मन के साथ रहेंगे। यह सत्य है कि आप अपने परिवार के प्रति पूर्ण समर्पित रहेंगे। आपकी पत्नी आपके साथ एक पत्नी की अनिवार्य भूमिका अदा करेगी तथा सदैव ही प्रसन्नता की बिन्दु तलाश कर आपको प्रसन्न रखेगी। आप अपनी पत्नी के माध्यम से सदैव ही अच्छी सन्तान ग्रहण करेंगे। आपको उसके सम्बन्ध में कदापि भी उदासीन एवं चिन्तनीय दशा नहीं रहेगा। वह निश्चित रूप से आपकी सन्तान को शिक्षित कर सुविधापूर्वक जीवन को व्यवस्थित कर देंगी।

आपकी सामुद्रिक विदेश की यात्रा सभी प्रकार से मधुर मंगलमय नहीं होगी। आप स्वयं के बचाव के लिए प्रभावशाली बंधन पाल रखा है जो जीवन का अवरोधक एवं द्वन्दात्मक बना दिया है। आप निशचित रूप से स्वतः एकाग्रतापूर्वक एकमत से विचार कर किसी भी विषय को सम्पादित करने के लिए सक्षम हैं। परन्तु सम्प्रति आपकी बुद्धि अस्थिर है। आप पुनः अव्यवस्था का प्रतिकार कर लिया है तथा आपको सुव्यवस्थित समय का लाभ प्राप्त होगा। आपकी यह विशेषता है कि आप स्वच्छन्द रहते हैं। आप अपने मस्तिष्क को विषय वस्तु की ओर प्रवृत कर आप पुनः उत्साह पूर्वक कार्यारम्भ करने के लिए तैयार हो जाऐं।

आप अपनी मद्यपान करने की प्रवृति का त्याग करें। यदि आप अपनी स्वास्थ्य रक्षा चाहते हैं तथा युवावस्था का लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। अपनी युवावस्था अर्थात मध्यम आयु का आनन्द एवं लाभ प्राप्त करें। आप अपनी जीवन पद्धति के ह्रासमुखी अवधारणा को बदल सकते हैं। अन्यथा आप ज्यो-ज्यों आयु पथ पर प्रौढ़ता प्राप्त करते जाएंगे। आपको मध्यपान का अनुभव प्राप्त होगा और आपको रूग्नकारी प्रभाव से प्रभावित कर देगा। वैसे आप किसी विषम

रोग से आक्रान्त तो नहीं होगें। परन्तु आपको सिरोवेदना, पीठ के दर्द, ट्यूमर एवं रक्तचाप वृद्धावस्था में कष्टकर न हो। अतः सतर्कता बरतनी चाहिए। सम्प्रति आप दीर्घ जीवन व्यतीत करने के प्रति आश्वस्त रहें। आपका संभावित रोगादि के प्रति सुरक्षात्मक अभिरूचि रखना चाहिए ताकि आपका जीवन रोग मुक्त एवं सुरक्षित रहे।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए वास्तव में अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल हैं तथा अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए त्यागनीय है।

आपके लिए अनुकूल एवं भाग्यशाली रंग पीला, सूआपंखी, हरा रंग है। आपके लिए रंग लाल, बल्लू एवं काला रंग प्रतिकूल है।